http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 99

प्रयागराज बुधवार 25 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पीएम खजुराहो में करेंगे आज केन–बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास

भोपाल,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत–रत्न से सम्मानित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर मध्यप्रदेश के खजुराहो में देश की पहली महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन–बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास करेंगे।आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री श्री मोदी देश की पहली ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि–पूजन करेंगे। श्री मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की स्मृति में स्टॉम्प और सिक्का भी जारी करेंगे। देश को नदी जोड़ो की परिकल्पना देने वाले युगदृष्टा स्व. वाजपेयी की जयंती पर यह मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ी सौगात होगी। श्री मोदी बुधवार को दोपहर 12:10 बजे खजुराहो आयेंगे और दोपहर 2रू20 बजे दिल्ली के लिये रवाना होंगे। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। श्री मोदी द्वारा इस परियोजना के शिलान्यास के साथ ही स्व. वाजपेयी का नदी जोड़ो का सपना मध्यप्रदेश में मूर्त रूप लेगा। केन–बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा।

'सबका सामाजिक व्यवहार ठीक होना चाहिए'

● लखनऊ में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- योगी ने बड़े-बड़ों की तबीयत हरी कर दी

● अटलजी के दौर में शुरू हुआ स्वास्थ्य मेले का आयोजनः सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। लखनऊ में दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेला शुरू हो गया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर करीब साढ़े 12 बजे इसकी औपचारिक शुरुआत की। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी की जमकर तारीफ की। कहा– योगी जी ने बड़े–बड़ों की तबीयत हरी कर दी है। आज अटल जी का शुरू किया गया स्वास्थ्य मेला वृहद हो गया है। सीएम योगी ने बीमारियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया और इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी खत्म की। 87 से ज्यादा हॉस्टिपटल के स्टॉल लगे लखनऊ के दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले में निजी और सरकारी अस्पतालों के 87 से ज्यादा स्टॉल लगाए गए हैं। यहां मरीजों को जांच और इलाज की सुविधाएं मिलेगी। इस दौरान दिव्यांगजनों को ई–ट्राई साइकिल और व्हील चेयर समेत अन्य कृत्रिम उपकरण भी दिए जाएंगे। निशुल्क ऑपेरशन की सुविधा लखनऊ ब्ड० डॉ. एनबी सिंह के मुताबिक,अटल स्वास्थ्य मेला 24 और 25 दिसंबर को दिलकुशा लॉन में लगेगा। दिल की बीमारी से जूझ रहे 8 से 10 बच्चों का निशुल्क ऑपरेशन भी स्वास्थ्य विभाग कराएगा। इसके लिए मेले में बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। ये सुविधा मेले में पहली बार मिल रही है। इसमें निजी संस्थान की मदद ली जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ का जिसका प्रतिनिधित्व स्वंय भारत रत्न अटल जी ने किया था। आज उनके जन्म शताब्दी पर स्वास्थ्य मेला का आयोजन करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। कुछ लोग मुझे मिले तो उन्होंने बताया कि जन औषधि केंद्र की जानकारी नहीं है। जन औषधि केंद्र की जानकारी सभी को दी जानी चाहिए। पहले जहां केवल 1 एम्स दिल्ली में था। आज के दौर में 22 एम्स की स्वीकृति मिली है। 2014 में 387 मेडिकल कॉलेज थे। अब ये 780 हो गए हैं। डठठै की सीट पहले जहां 50 हजार थी। आज ये बढ़कर 1 लाख 20 हजार हो गई है। विपक्ष में थे, तब भी यूएन की सभा में गए अटलजीरू रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नरसिम्हा राव जी पीएम थे, तब अटल जी नेता प्रतिपक्ष होते थे। जेनेवा के यूनाइटेड नेशन की कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने के लिए राव साहब ने अटलजी को भेजा। ऐसे लोग अपना कद ऊंचा करने के लिए राजनीति में नहीं आते। वे देश के निर्माण के लिए राजनीति में आते हैं। योगी जी ने सारा श्रेय मुझे ही दे दियारू राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा– योगी जी ने लखनऊ के विकास का सारा का सारा श्रेय मुझे ही दे दिया।

ओवैसी को बरेली कोर्ट ने किया तलब

बरेली,(एजेंसी)। संसद में जय फलस्तीन का नारा लगाने के मामले में उत्तर प्रदेश की बरेली जिला अदालत ने ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को नोटिस जारी कर सात जनवरी 2025 को पेश होने का आदेश दिया है।

जिला जज सुधीर कुमार की अदालत ने श्री ओवैसी को तलब किया है। आरोप है कि इस वर्ष लोकसभा चुनाव बाद हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में शपथ लेने के दौरान जय फलस्तीन का नारा लगाया था। जिसके बाद अधिवक्ता वीरेंद्र गुप्ता की ओर से अवर न्यायालय में असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। बाद में अधिवक्ता ने पुनरीक्षण याचिका जिला जज न्यायालय दायर की थी। जिला जज अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए सांसद असदुद्दीन ओवैसी को सात जनवरी को हाजिर होने के लिए नोटिस जारी कर दिया है।

महंगाई ने बिगाड़ा लोगों का बजट, कुंभकर्णी नींद में सरकारः राहुल गांधी

● जनता बढ़ती कीमतों से जूझ रही, सरकार कुंभकरण की तरह सो रही, महंगाई को लेकर राहुल गांधी का तंज

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महंगाई को लेकर सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जरूरी वस्तुओं के दाम बेकाबू हो रहे हैं और सरकार सो रही है। श्री गांधी ने सब्जी मंडी जाकर लोगों से बात की और कहा कि सरकार महंगाई को नियंत्रण नहीं कर पा रही है, जिससे आम आदमी का जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने कहा, "लहसुन कभी 40 रुपए था, आज 400 रुपए पर है।" बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम आदमी की रसोई का बजट – कुंभकर्ण की नींद सो रही सरकार।"किराना स्टोर बंद हो रहे... उन्होंने कहा, शपिछले दिनों दिल्ली के एक किराना स्टोर का दौरा किया। किराना स्टोर्स सिर्फ सामान बेचने के माध्यम भर नहीं हैं। इनके ग्राहकों के साथ भावानात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव होता है, लेकिन क्विक कॉमर्स बिजनेस के तेजी से बढ़ने के कारण हजारों किराना स्टोर बंद हो रहे हैं, जो कि चिंताजनक है।श अर्थव्यवस्था में हो रहा बदलाव उन्होंने आगे कहा, श्ऐसे में हमें एक संतुलन बनाने की आवश्यकता है – एक ऐसा सिस्टम जो टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को प्रोत्साहित करे, लेकिन उनके कारण जो गंभीर रूप से प्रभावित हों, उन्हें सुरक्षा जाल भी प्रदान करे। जब हमारी अर्थव्यवस्था में बदलाव हो रहा हो और हम ग्लोबल ट्रेंड्स के हिसाब से आगे बढ़ रहे हों तब यह सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है कि छोटे कारोबारियों का नुकसान न हो।श बढ़ती कीमतों से जूझ रहे लोग कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, श्लोग बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं और रोजमर्रा की जरूरतों की छोटी चीजों से समझौता करने के लिए मजबूर हैं। हमने लहसुन, मटर, मशरूम और अन्य सब्जियों की कीमतों पर चर्चा की और लोगों के वास्तविक अनुभवों को सुना। कैसे लहसुन 400 रुपये प्रति किलो और मटर 120 रुपये प्रति किलो ने सभी के बजट को हिला दिया है।श रिक्शा के किराए की व्यवस्था करना भी मुश्किल उन्होंने इस बात पर ध्यान दिया कि लोग क्या खाएंगे और क्या बचाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि चाय पर बात करते हुए हमने गृहणियों के जीवन की समस्याओं को करीब से समझा– कैसे आय स्थिर रही, महंगाई अनियंत्रित रूप से बढ़ती रही। कैसे बचत करना असंभव हो गया है और कैसे सिर्फ खाने का खर्च उठाने के कारण 10 रुपये के रिक्शा के किराए की व्यवस्था करना भी मुश्किल हो गया है।

उच्चत्तम न्यायालय की ठेकाकर्मी, संविदाकर्मियों एवं गिग वर्कर्स को लेकर टिप्पणी उचितः गहलोत

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने उच्चत्तम न्यायालय की ठेकाकर्मी, संविदाकर्मियों एवं गिग वर्कर्स को लेकर टिप्पणी को आज के समय में एकदम उचित बताया है। श्री गहलोत ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि हमारी सरकार के समय राजस्थान में हमने दोनों क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से काम किया। संविदाकर्मियों के नियमितिकरण के लिए सर्विस रूल्स, ठेका कर्मियों के शोषण को समाप्त करने के लिए सरकारी निगम आरएसएलडीसी एवं गिग वर्कर्स के लिए विशेष कानून बनाया। हालांकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने तीनों ही विषयों को एक तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया है जिससे लाखों लोगों का भविष्य अधर में है। राज्य सरकार को इन तीनों विषयों पर हमारे द्वारा किए गए काम को आगे बढ़ाना चाहिए और इस संबंध में नियम बनाकर लागू करने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भांति सभी राज्य सरकारों को ठेकाकर्मी, संविदाकर्मियों एवं गिग वर्कर्स के लिए ऐसे सामाजिक सुरक्षा कानून बनाकर इनके भविष्य की अनिश्चितता समाप्त करनी चाहिए।

बेलगावी बैठक में गांधी के सत्याग्रह को 'नव सत्याग्रह' में तब्दील करेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि महात्मा गांधी की अध्यक्षता में हुई ऐतिहासिक बेलगामी अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस कार्य समिति की विस्तारित बैठक बेलगावी में 26 दिसंबर को ही आयोजित की जा रही है जिसमें देश भर के 200 से ज्यादा प्रमुख नेता हिस्सा लेंगे। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश तथा संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कार्य समिति की बैठक बेलगावी के महात्मा गांधी नगर में उसी स्थान पर आयोजित होगी, जहां 100 साल पहले हुए कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधी को पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गई थी। बैठक का नाम श्नव सत्याग्रहश रखा गया है क्योंकि 100 साल पहले गांधी जी ने इसी जगह से सत्याग्रह का विचार रखा था। विस्तारित बैठक में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की नीतियों की कारण देश के सामने खड़ी हो रही चुनौतियों पर विचार विमर्श किया जाएगा और अगले दिन विशाल रैली होगी। श्री वेणुगोपाल ने कहा, "ऐतिहासिक अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए हम बेलगावी में एक विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 'नव सत्याग्रह' का आयोजन कर रहे हैं और इसमें कार्यसमिति की बैठक उसी स्थान पर होगी, जहां महात्मा गांधी जी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता संभाली थी। कर्नाटक कांग्रेस ने ऐतिहासिक अधिवेशन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसके लिए शहर को सजाया गया है। सीडब्ल्यूसी सदस्य, स्थायी आमंत्रित, विशेष आमंत्रित, केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य, राज्य के सीएलपी नेता, संसदीय दल के पदाधिकारी और कांग्रेस पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री सहित कुल लगभग 200 नेता ऐतिहासिक अधिवेशन में भाग लेंगे।" उन्होंने कहा, "बैठक 26 दिसंबर को दोपहर 2.30 बजे महात्मा गांधी नगर में शुरू होगी। 27 दिसंबर को सुबह 11.30 बजे बेलगावी में जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली होगी। महात्मा गांधी नगर में होने वाली रैली में कांग्रेस पार्टी के सांसद, पदाधिकारी और लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यसमिति की बैठक में आगामी वर्षों के लिए कांग्रेस की कार्ययोजना।

और कार्यक्रम पर चर्चा की जाएगी, जिसमें दो प्रस्ताव शामिल होंगे। बैठक में भाजपा शासन में राष्ट्र के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों पर विचार– विमर्श किया जाएगा।

वो तो कृष्ण का अवतार हैं, अवध ओझा ने केजरीवाल को बताया भगवान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव का माहौल है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के नेता और शिक्षक अवध ओझा ने एक नया बयान दिया है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की तुलना कृष्ण से की है। आम आदमी पार्टी के नेता और मशहूर शिक्षक अवध ओझा ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भगवान बताया है। उन्होंने केजरीवाल को कृष्ण का अवतार बताया है। अभी हाल ही में आम आदमी पार्टी में शामिल हुए अवध ओझा को पटपड़गंज विधानसभा से टिकट मिला है। समाचार एजेंसी एएनआई के बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल तो भगवान कृष्ण हैं। जिनके पीछे समाज के कंस पड़े हुए हैं। ये लोग नहीं चाहते हैं कि गरीबों का भला हो। केजरीवाल गरीबों के लिए काम करें। उन्हें डर है कि कहीं 2029 के चुनाव में अरविंद केजरीवाल भारत के प्रधानमंत्री न बन जाएं। अरविंद केजरीवाल तो निश्चित रूप से भगवान हैं। मैं तो कह ही चुका हूं कि वह भगवान कृष्ण के अवतार हैं। कौन हैं अवध ओझा अवध ओझा भी देश के सबसे पसंद किए जाने वाले शिक्षकों में से एक हैं। उनका पूरा नाम अवध प्रताप ओझा है। यह एक भारतीय यूपीएससी कोच, यूट्यूबर, और शिक्षक हैं। इनका संबंध यूपी के गोंडा जिले से हैं। यूपीएससी ने निराशा मिलने पर इन्होंने इलाहाबाद में कोचिंग में पढ़ाना शुरू किया।

कोविड में जब ऑफलाइन क्लासेज बंद हो गई थी, तब अपने अलग शिक्षण शैली के कारण काफी तेजी से यूट्यूब पर पॉपुलर हो गए।

दिल्ली में देंगे 24 घंटे साफ पानीः केजरीवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज पानी को लेकर एक बड़ा एलान किया है। इससे पहले केजरीवाल महिला योजना, संजीवनी योजना, ऑटोवालों के लिए गारंटी और छात्रों के लिए स्कॉरशिप का एलान कर चुके हैं। दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार दिल्ली के लोगों के लिए बड़ी–बड़ी चुनावी घोषणाएं कर रहे हैं। एक बार फिर अरविंद केजरील ने एक और चुनावी वादा किया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हम 24 घंटे साफ पानी देंगे। प्लांट लगाकर अमोनिया को हटाएंगे। वहीं ढाई हजार ट्यूबवेल लगाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राजेंद्र नगर विधानसभा की एक कॉलोनी में आज से 24 घंटे पानी की सप्लाई शुरू हो रही है। इसे जल्द ही पूरी दिल्ली में शुरू किया जाएगा। इससे पहले भी केजरीवाल ने तीन बड़ी घोषणाएं की हैं। बूस्टर पंपिंग स्टेशन के उद्घाटन के बाद अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी ने राजेंद्र नगर के पांडव नगर स्थित डीडीए फ्लैट्स के स्थानीय आवास पर पहुंचे। जहां पर पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए अरविंद केजरीवाल ने सीधे नल से पानी पिया और कहा कि ये पानी साफ है। बीते मंगलवार को दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए। मुख्यमंत्री आतिशी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पूर्वी किदवई नगर से महिला सम्मान राशि योजना के लिए पंजीकरण का आगाज किया। योजना में महिलाओं को 2,100 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसी तरह, 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों के मुफ्त इलाज की संजीवनी योजना के रजिस्ट्रेशन भी जंगपुरा से शुरू हो गए। अब तक कर चुके हैं ये बड़ी घोषणाएं... डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दलित समाज के लिए बड़ी घोषणा की। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना का एलान किया था। इससे पहले भी आप कई लोकलुभावन योजना की घोषणा कर चुकी है। जिसमें बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना और ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी, महिला सम्मान योजना आदि शामिल हैं। बुजुर्गों को मिला संजीवनी योजना का कवच संजीवनी योजना के तहत पंजीकरण कराने वाले बुजुर्गों को मुफ्त इलाज कराने का एक और सुरक्षा कवच मिल गया है। पूर्व उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री आतिशी के साथ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंगपुरा विधानसभा में बुजुर्गों का पंजीकरण कर इसकी शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि संजीवनी योजना के तहत 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों के इलाज का सारा खर्चा दिल्ली सरकार उठाएगी। महिला सम्मान राशि और संजीवनी योजना को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है।

साझा जिम्मेदारी

टेक्नोलॉजी ने समुदायों के विकास और उनमें परिवर्तन लाने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है। आज हमारी जिंदगी का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा विभिन्न रूपों में टेक्नोलॉजी के साथ गुथा हुआ है, चाहे वह मोबाइल, टीवी, कैमरा, वाहन हों या फिर घरेलू वस्तुएं। पिछले एक दशक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग (एमएल), ड्रोन्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, एज कंप्यूटिंग जैसी नई चीजों के रुख से डिजिटल टेक्नोलॉजी में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और ये चीजें आम आदमी की रोजाना की बातचीत में चर्चा का केंद्र बन गई हैं। इसके उलट, इन टेक्नोलॉजी का प्रभाव हमारी कल्पना से परे चला गया है जिनमें से कई चीजों ने इस समाज के लिए साइबर सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। कनेक्टेड डिवाइसेज के तेजी से बढने और डिजिटल टेक्नोलॉजी में तेज उन्नति से साइबर सुरक्षा की दुनिया अकल्पनीय स्तर पर उभर रही है। स्मार्टफोन और सोशल ऐप्स के व्यापक उपयोग से साइबर अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। साथ ही डिजिटल भुगतान ऐप्स का उपयोग बढने से वित्तीय धोखाधडियों में नए आयाम जुड़े हैं।साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए अच्छी खासी टेक्नोलॉजीज का उपयोग करते हैं। आइडेंटिटी स्कैम और वित्तीय धोखाधड़ी नए स्तर पर पहुंच गई है जहां अपराधी स्वयं को कानून प्रवर्तन एजेंसियों के तौर पर पेश करके लोगों के साथ बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी करते हैं। एज कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन, एआइ, डिजिटल टोकन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उभरती टेक्नोलॉजी ने इस उद्योग में क्रांति ला दी है। साथ ही इन्होंने नई साइबर सुरक्षा चुनौतियां भी पैदा की हैं। ऑटोनोमस व्हीकल्स और रिमोट हेल्थकेयर जैसे महत्त्वपूर्ण एप्लीकेशंस खोजने वाले एज कंप्यूटिंग में डेटा उल्लंघन की संभावना रहती है। इसलिए ऐसी प्रणालियों में अंततरू सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है। इसी प्रकार, रीयल टाइम डेटा पर निर्भर रहने वाला ब्लॉकचेन भी हैकरों के निशाने पर रह सकता है जिससे वित्तीय धोखाधड़ी का जोखिम बढ़ जाता है। साइबर अपराध परिदृश्य में विरोधात्मक एआइ और मशीन लर्निंग से युक्त ऑटोमेटेड बॉटनेट्स का इस्तेमाल कर शैतानी दिमाग वाले लोग अपना काम कर रहे हैं।

क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल टोकन, हैकिंग, धोखाधड़ी और चोरी के लिए मुख्य रूप से निशाने पर रहते हैं। साइबर खतरों की बढ़ती आशंकाओं को देखते हुए दूरसंचार ऑपरेटर और अन्य भागीदार अपने नेटवर्कों की सुरक्षा और उपभोक्ताओं के डेटा की रक्षा के लिए सक्रियता के साथ मजबूत उपाय अपनाते रहे हैं। खतरों की पहचान और उन्हें कम करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी टेक्नोलॉजीज का उपयोग, डेटा सुरक्षा के लिए एंड–टु–एंड कूटरचना को लागू करना और साइबर सुरक्षा मानकों के लिए विश्व की सर्वोत्तम व्यवस्थाओं को अपनाने जैसे प्रयास इसमें शामिल हैं। नियमित ऑडिट, रीयल टाइम निगरानी प्रणालियां और टीमों द्वारा घटना को लेकर त्वरित प्रतिक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि जोखिम को तुरंत पहचान कर उन पर कार्रवाई हो।सरकार के साथ गठबंधन में दूरसंचार सेवा प्रदाता नेशनल साइबर सिक्युरिटी स्ट्रैटेजी जैसी पहल में एक सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम भी तैयार किया जा रहा है और दूरसंचार विभाग एवं इंडियन कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पांस टीम द्वारा स्थापित नियामकीय रूपरेखा का भी अनुपालन कर रहे हैं। सुरक्षित डिजिटल व्यवस्था के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं जिससे वे साइबर धोखाधड़ी से बच सकें। जैसा कि भारत 5जी और 6जी की तरफ बढ़ रहा है, डिजिटल आधारभूत ढांचे का बेहतर उपयोग करने में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की भूमिका राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण होगी। एआइ और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती टेक्नोलॉजीज दूरसंचार नेटवर्क के काम के तरीके में बदलाव लाने को तैयार हैं और इनके द्वारा पूर्वानुमानित एनालिटिक्स, ऑटोमेटेड खतरे की पहचान और बढ़ी हुई डेटा प्रोसेसिंग क्षमताओं के लिए शक्तिशाली टूल्स की पेशकश की जाएगी।

एआइ की पूर्वानुमान की क्षमताओं से दूरसंचार कंपनियों को डेटा और उभरते रुखों के आधार पर खतरों को भांपने में मदद मिलेगी जिससे वे सुरक्षा में सेंध रोकने के लिए पहले से ही उपाय कर सकेंगी। एआइ प्रणालियों को देखने, एआइ तथ्यों का संदर्भ उपलब्ध कराने और महत्त्वपूर्ण निर्णयों खासकर जटिल खतरों के परिदृश्य में निर्णय करने के लिए कुशल साइबर सुरक्षा पेशेवरों की जरूरत है। अंतिम यूजर्स इन साइबर खतरों से रक्षा के लिहाज से पहली पंक्ति में हैं। फिशिंग, मालवेयर और सोशल इंजीनियरिंग दांव–पेंच जैसे आम खतरों के बारे में उन्हें जागरूक करना जरूरी है। नियमित कार्यशालाएं, ऑनलाइन कोर्स और सुरक्षा परामर्श इन यूजर्स को जानकारी से लैस और सतर्क बनाए रखते हैं।संगठनों को सुरक्षा की एक संस्कृति का निर्माण करना चाहिए, जहां साइबर सुरक्षा को एक साझा जिम्मेदारी के तौर पर देखा जाए। संगठनों को जबरदस्त सुरक्षा उपाय करते हुए यूजर के अनुभव को प्राथमिकता देनी होगी। टेक्नोलॉजी के निरंतर आगे बढने के साथ साइबर सुरक्षा परिदृश्य अधिक जटिल और एक दूसरे से जुड़ा हुआ बन गया है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है जिसमें टेक्नोलॉजी, कार्यबल विकास, जागरूकता, नीति और गठबंधन समाहित हो। सतर्क और पहले से सक्रिय रहकर हम इस परिदृश्य में सफलतापूर्वक आगे निकल सकते हैं।

सोचे, क्या यह मनुष्य विकास है?

हरिशंकर व्यास

इसके अलावा चुनाव के समय जो नकदी बंटती है वह अलग है। अभी तक पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में करीब दो हजार करोड़ रुपए की नकदी, शराब और दूसरी चीजें पकड़ी गई हैं। जब दो हजार करोड़ रुपए नकद और सामान पकड़े गए हैं तो इससे 10 गुना जरूर बंटे होंगे। चुनाव के समय ऐसे लाभार्थियों का एक नया समूह बनता है। कुल मिला कर एक छोटा सा वर्ग है, जो अपनी सामाजिक नैतिकता और महत्वाकांक्षा के लिए काम , परिश्रम, पुरषार्थ करता है या काम करना चाहता है। लोग पूछते हैं कि भारत में महंगाई को लेकर लोगों में नाराजगी क्यों नहीं दिखती है या बेरोजगारी को लेकर क्यों नाराजगी नहीं है तो उसका कारण यह है कि महंगाई, बेरोजगारी या कम आय को लेकर जिस वर्ग में नाराजगी हो सकती है वह बहुत छोटा है। उसमें भी एक बड़े वर्ग को धर्म की अफीम चटा दी गई है। मुसलमानों से खतरा पैंठा दिया गया।

तो बड़ा और बहुसंख्यक वर्ग ऐसा है, जो महंगाई और बेरोजगारी से अप्रभावित है। यह देश की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी है। इसमें से बड़ा समूह जाति निरपेक्ष है। उसमें से आधे लोग भी जिसे वोट दे दें उसकी सरकार बन जाएगी। आधे से कम भी दें और उसमें मध्य वर्ग के वोट का एक हिस्सा जुट जाए तब भी सरकार बन जाएगी। तभी किसी भी पार्टी को कोई काम करने, रोडमैप बनाने, विजन दिखाने, देश का विकास करने की भला क्या जरूरत है? हालांकि ऐसा नहीं है कि काम नहीं होते हैं। बुनियादी ढांचे के भी काम होते हैं लेकिन उनका मकसद दूसरा होता है। उससे जनता की भी भलाई हो जाए तो वह उसकी किस्मत है।

प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी

शंकर शरण

हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह–तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे–तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है।

इसलिए क्योंकि भारत के नेता ही किसी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। और हमें गप्पी गाय्य की उपाधि चीनी नेता माओ ने दी थी। पड़ोसी होने के नाते विविध प्रसंगों, अनुभवों पर ही उन्होंने अपनी राय बनाई होगी। माओ के अनोखे मुहावरों का प्रायरू कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता। उन का आशय अनुमान से ही समझना होगा।वैसे, मुहावरे के दोनों शब्द सरल हैं। उन्हें मिलाकर अर्थ कुछ यही बनता है कि हम लोग बातें बनाने वाले, परन्तु दरअसल निरीह, नासमझ, और निकम्मे हैं। हमारे नेताओं की बातों और काम में कुछ भी प्रमाणिक (ऑथेन्टिक), गंभीर (सिन्सियर), या निरूस्वार्थ (डिसइन्टेरेस्टेड) नहीं रहा है, यह हमारे भी एक विद्वान ने 1952 में ही पाया था जिन की दृष्टि विशाल और पैनी थी।सो, यह दुरूखद चरित्र स्वतंत्र भारत में आरंभ से बना, जो ब्रिटिश–राज के ठीक विपरीत था! ब्रिटिश शासक और अफसर यहाँ अपनी नीति, कानून और प्रशासन में कभी भी दिखावटी, भीरू या भ्रष्ट नहीं रहे थे। यह सभी भारतीय भी मानते थे। जबकि हमारे नेताओं की बातें प्रायरू ऊपरी, कर्महीन, तथा उपदेशात्मक रही हैं। जिन का वास्तविक सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हालातों से कम ही लेना–देना रहा। फलस्वरूप किसी मामले पर सही उपाय ढूँढ कर लगने, जरूरी कदम लेकर खतरे उठाने से भी उन का संबंध नहीं रहता।

अप्रत्याशित या प्रत्याशित विकट घटनाओं पर भी लीपापोती करने, या शुतुरमुर्ग–सा सिर छिपा समय गुजारने की प्रवृत्ति उन में रही है। अर्थात, अपवाद छोड़ हमारे नेताओं में नीति–निर्माण और शासन की समझ तक नहीं रही है। इसी को माओ और आइजनहावर जैसे विदेशी नेताओं ने हैरत से देखा था! पहले गाँधीजी हिटलर को उपदेश लिखते थे, तो बाद में नेहरू अमेरिका को उसी के देश में लेक्चर पिलाते थे। कोई अपने धज–प्रवचनों से दूसरा जीसस्य होने, तो कोई बस कबूतर उड़ा कर विश्व–शांति का मसीहाय होने का गुमान रखते थे। जबकि अपने देश–समाज की भी असलियत देखने की सूझ उन्हें न थी!अतरू उन के गप्पी गाय्य होने की उपमा ठोस अनुभव, अवलोकन पर बनी थी। क्या आज भी वह गलत लगता है? हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह–तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे–तैसे चलाते हैं।विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। वही अनुकरण नीचे तक अनुयायी करते हैं। सोशल मीडिया में भी इस के अंतहीन उदाहरण रोज दिखते हैं दृ परनिन्दा, शेखी, और हर विषय पर इन्सटैंट ज्ञान। यह सब हम ने कहाँ से सीखा? अपने नेताओं से। वे ही संपूर्ण वाद–विवाद, तैश–तुर्शी को निर्देशित करते हैं।

भारत में राष्ट्रीय विमर्श सदैव नेताओं द्वारा प्रवर्तित व नियंत्रित रहा है। समाजवाद, सेक्यूलरवाद से लेकर जातिगणना, और कण–कण में छीन–झपट के आरक्षण की सारी बातें व गतिविधियाँ सदैव ऊपर से चली हैं। विवेकशील, कर्मठ और न्यायपरक अधिकारियों का स्थान अंग्रेजी राज के साथ ही जाता रहा था। चाटुकार, अवसरवादी और भ्रष्टाचारी लगभग फौरन छा गये थे।अतरू स्वतंत्र भारत का इतिहास माओ के अवलोकन की पुष्टि ही करता है। गाँधीजी के खलीफत भाषणों, एक वर्ष में स्वराज ले लेंगेय से लेकर, मैंने सेना को कह दिया है कि चीनियों को सीमा से बाहर फेंक देंय, और आज के अच्छे दिन आ गयेय जैसे दावों में समान तत्व क्या है?

बड़बोलापनय गंभीर मामलों पर भी नासमझी का प्रदर्शनय समस्या को ठीक–ठीक जानने से भी बेपरवाह बस मन की तरंग से आसान हल देने की नीम–हकीमीय ठोकर खाकर भी अनुभव से कुछ न सीखनाय अपनी करनी के कुपरिणाम की जिम्मेदारी न लेनाय सच्ची समीक्षा न करना न करने देनाय नेतृत्व में अपनी ताउम्र अपरिहार्यता मान कर चलनाय देश–विदेश के दबंग शत्रुओं से नजर बचानाय उन पर बोलने से भी कतरानाय तथा, इन तमाम आदतों से हो रही राष्ट्रीय हानियों पर पर्दा डालना।यदि उक्त आकलन सही हो, तो हम ने अपने को गप्पी गाय्य से भिन्न क्या दिखाया? अभी देश में एक संगठन अपने को दुनिया का सब से बड़ा बताता है। कभी राष्ट्रवादी, तो कभी हिन्दूवादी बनता है। उन के नेता कहते हैं हमारा संगठन तीन दिन में ऐसी सेना तैयार कर सकता है जो युद्ध लड़ सके। लेकिन कश्मीर से लेकर केरल, कर्नाटक, बंगाल और दिल्ली, जम्मू तक, जब भी निरीह हिन्दू सामूहिक या अलग–अलग पीडिघ्त, अपमानित होकर मारे भी जाएं तो इन का एक सुसंगत बयान भी नहीं आता।

मौके पर पहुँच कर लडना, जुटना तो दूर रहा! तब उन के लोग बेध ड़क कहते हैं कि हमारा काम लडना नहीं, लडने के लिए कहनाय है। जबकि उन की अपनी राजनीतिक पार्टी भी है, जो दशकों से यहाँ वहाँ सत्ताध ारी भी है। शेखी बघारने में वे सब को मात देते हैं, पर हर विकट प्रसंग में मुँह सी लेते हैं। इस से अधिक प्रतिनिधि गप्पी गाय्य का उदाहरण क्या हो सकता है!निस्संदेह, सभी लोकतंत्रों में नेतागण लफ्फाजी करते हैं। अपने शब्दजाल से लोगों को लुभाकर वोट लेना, फिर सत्ता पाकर पदों, संसाधनों की बंदर–बाँट उन का प्रधान काम है। लेकिन अमेरिकी, यूरोपीय लोकतंत्रों में नेताओं ने लफ्फाजी करने में राष्ट्रीय हित के गंभीर विषयों की एक सीमा रखी है।उन के नेता कुछ गंभीर बिन्दुओं पर एक सर्वदलीय सहमति रखते हैं, ताकि उन की प्रतिद्वंद्विता में समाज की क्षति न हो। उस की तुलना में, भारतीय नेताओं की लफ्फाजियाँ निस्सीम रही हैं। वे अपनी झक में दर्शन, नैतिकता, धर्म और इतिहास भी विकृत करते रहते हैं। तब चालू नियम–कानून और सामाजिक हित तो छोटी चीजें हैं।

यह स्वतंत्र भारत में एक स्थाई दृश्य है। आज तो यदि किसी मुद्दे पर किसी ने कोई सत्याभासी बयान भी दे दिया, तो कुछ लोग उत्साह या आक्रोश से बावले होने लगते हैं। चाहे वह बयान आधा–अधूरा, अनावश्यक या दोषपूर्ण ही क्यों न हो! विशेषकर, सेक्यूलरिज्म वाले मुद्दों पर यह अधिक होता है। पर अन्य विषय भी हैं, जिस पर किसी नेता की सहज अभिव्यक्ति हलचल पैदा करती है। मानो, यह अपने–आप में उपलब्धि या अपराध हो!हाल में एक सांसद द्वारा किसान आंदोलन के नकारात्मक पहलुओं पर एक बयान उस का उदाहरण है।

उन की पार्टी ने ही उन की सार्वजनिक खिंचाई की। मानो सांसद ने अपने मन की बात कह कर कोई अपराध कर दिया! जबकि उसी पार्टी का आई–टी सेल महीनों तक किसान आंदोलन पर वही बातें और अतिरंजित प्रचारित करता रहा था। उन के छोटे नेता व कार्यकर्ता उन्हीं मीम और पोस्टों को खूब शेयर करते थे। मानो, वह आंदोलन उन के अखंड प्रचार से ही ध्वस्त हो जाएगा!लेकिन उल्टा हुआ। अंततरू उन की पार्टी ने ही किसान आंदोलन के सामने हथियार डाल दिए। तब सोशल मीडिया पर उन के समर्थकों और पत्रकारों पर घड़ों पानी पड़ गया। कुछ ने नेताओं के पिद्दीपन पर भड़ास भी निकाली। फिर, यहाँ के चलन अनुसार सब कुछ आयी–गयी बात हो गई।यही चीज ध्यान देने की है दृ प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी। हमारे नेताओं, बौद्धिकों, और उन के समर्थकों में कोरी बातों, ढंग–अंदाज, और अपने बोल पर खुद फिदा हो जाने का रोग है। साथ ही, विकट समस्याओं, यहाँ तक कि घटनाओं से भी मुँह चुराने, तथा अपने काम के दुष्परिणाम की जिम्मेदारी लेने से भागने का भी। यह सब शेष दुनिया को दिखता रहता है। केवल हमें नहीं दिखता।

सेना की कठपुतली कथित सरकार के खिलाफ

हृदयनारायण दीक्षित

बांग्लादेश में हिंदू चुन चुन कर मारे जा रहे हैं। कत्लेआम जारी है। हिंदू महिलाओं के साथ बर्बरता के वीभत्स तरीके अपनाए जा रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार के चित्र कठोर से कठोर व्यक्ति को विचलित करने वाले हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं का कोई भी काम न तो सेना के खिलाफ है और न ही सेना की कठपुतली कथित सरकार के खिलाफ। अंतर्राष्ट्रीय जिज्ञासा है कि इस रक्तपात की वजह क्या है? बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू आबादी का प्रतिशत पहले से ही घट रहा है। हिंदू आबादी का प्रतिशत घटने के कारण क्या हैं? दोनों देशों में हिंदू आबादी की संख्या

अत्याचार, उत्पीड़न और हिंसा से घटी है। जोर जबरदस्ती का मतांतरण भी प्रमुख कारण है। मिशनरी लोगों से सम्बंधित साधारण घटनाएं भी अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनती हैं। धर्मांतरण करने वाली शक्तियां अपना गैरकानूनी काम करती रहती हैं। उनके गलत काम का विरोध भी सारी दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। मगर हिंदूओं की सुनियोजित हत्या पर भी कोई हलचल नहीं होती।

हिंदू थोक के भाव मारे जाते हैं, मारे जा रहे हैं। आखिरकार थोक के भाव हिंदुओं की हत्या अंर्तराष्ट्रीय बिरादरी के लिए कोई बड़ी घटना क्यों नहीं है। हिंदुओं की हत्या का मूल कारण है क्या? आहत मन कुछ मौलिक प्रश्न उठते हैं। क्या हिंदू होना एक अभिशाप है? हिंदू सारी दुनिया का लोकमंगल चाहते हैं। हिंदुओं ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया। केवल हिंदू होने के कारण ही वे मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। अबोध बच्चियों के साथ भी बलात्कार हो रहे हैं।बांग्लादेश की सेना नियंत्रित सरकार हिंदुओं की रक्षा में असफल हुई है। हिन्दू उत्पीड़न के सरोकार बड़े हैं। भारत विभाजन के पूर्व मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की मांग की थी। इस मांग को लेकर भी हिंदुओं का भयंकर रक्तपात हुआ था। 'डायरेक्ट एक्शन डे' के नाम से व्यापक नरसंहार हुआ था। अविभाजित भारत की अंतिम जनगणना 1941 में हुई थी। तब हिंदू 84.44 प्रतिशत और मुस्लिम 13.38 प्रतिशत थे। मुसलमानों के इस प्रतिशत में आज के पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुसलमान भी शामिल थे। 1947 में भारत विभाजन हुआ। स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना (1951) में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या नहीं रही। इसलिए हिंदू आबादी का अनुपात 87.24 प्रतिशत हो गया। यहां की मुस्लिम आबादी 10.43 प्रतिशत रह गई। 50 वर्ष बाद 2001 में भारत में जनगणना हुई। हिंदू आबादी घटी और 84.21 प्रतिशत रह गई। मुस्लिम आबादी का अनुपात अविभाजित भारत के 13.38 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया। जनसंख्या के इसी अनुपात पर मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान मांगा था। पाया था। अब एक और पाकिस्तान की जनसंख्या हो गई है। हिंदू इस सवाल को उठाते हैं तो उन्हें सांप्रदायिक कहा जाता है। हिंदू आबादी ही सर्वपंथ समभाव और लोकतंत्र की गारंटी है।

बांग्लादेश की सीमाओं पर प्राण रक्षा के लिए व्यथित हिंदू अल्पसंख्यक हैं। वे इसीलिए मारे जा रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या कम है। सेकुलर दल हिंदू संहार पर मौन रहते हैं। बांग्लादेश से भारत के लिए अवैध प्रवेश होता रहा है। भारतीय संसद में अनेक बार बांग्लादेशी घुसपैठ स्वीकार की गई है। भारत के अधिकांश राजनैतिक दल हिंदू नाम के प्रयोग से डरते हैं। फिलिस्तीन को लेकर देश के सेकुलरपंथी दुख व्यक्त करते हैं। लेकिन हिंदू प्रजाति के खात्में को लेकर मौन हैं। वाम दल भी हिंदू नरसंहार पर मौन हैं। समूची हिंदू जाति पर संकट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार नागरिकता संशोधन कानून लायी थी। कट्टरपंथियों ने इसका विरोध किया था। वे हिंसक हो गए थे। बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें? क्या करें? पाकिस्तानी गैर मुसलमान और हिंदू भी उत्पीड़न के शिकार हैं। पाकिस्तान में भी हिंदू हिंसा का शिकार होते हैं। ईशनिंदा कानून में बड़ी सजा है। पाकिस्तानी सरकार हिंदुओं के विरुद्ध इसका इस्तेमाल करती है। संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार चार्टर भी बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जाति, वंश, लिंग आधारित भेदभाव को निषिद्ध बताने वाले सेक्युलर हिंदू नरसंहार पर चुप हैं। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. हर्ष नारायण ने लिखा है कि, ''वास्तव में इस्लाम कहीं भी काफिरों के साथ सहअस्तित्व को न प्रोत्साहन देता है और न अनुमति। वह इसकी संभावना पर भी विचार नहीं करता।हिंदू अपने चिंतन दर्शन में समूची धरती को परिवार मानते हैं लेकिन इस्लामी राजनीतिक चिंतन में इसकी कोई गुंजाइश नहीं। 'संस्कृति के चार अध्याय' (पृष्ठ 302) में रामधारी सिंह 'दिनकर' ने लिखा है कि, ''भारत में इस्लाम का आरंभिक इतिहास मारकाट और खुरेंजी, धर्म परिवर्तन, अभद्रता और अन्याय का इतिहास है। मुसलमान एक आदर्श मजहब और एक सुगठित समाज में जिस प्रकार आबद्ध थे, उससे उन्हें अपार नैतिक बल प्राप्त होता था। इसके विपरीत हिंदुत्व ढीला हो चुका था। हिंदुओं के धर्म, आदर्श और सिद्धांत के अनेक रूप थे। फिर भी भारत में इस्लाम की धाक उस आसानी से नहीं जमी।'' इस्लामिक कट्टरता नई बात नहीं थी और न ही हिंदू सहिष्णुता। दिनकर के अनुसार अलबेरूनी ने लिखा है कि, ''हिंदू जन्मजात अहिंसक थे। अनेक धर्मों का स्वागत करते थे। वे धार्मिक मामलों में बहुत ही सहिष्णु हो गए थे। महमूद से पहले जो मुसलमान भारत आए थे उन्हें यहां के राजाओं ने अच्छा प्रश्रय दिया था।'' हिंदू अपने सहिष्णु स्वभाव के कारण बढ़ चढ़कर नहीं लड़ते थे। दिनकर ने लिखा है कि, ''लड़ाई और मारकाट के दृश्य तो हिंदुओं ने बहुत देखे थे। उन्हें सपने में भी यह ख्याल नहीं था कि दुनिया की एकाध जाति ऐसी भी हो सकती हैं जो मूर्तियों को तोड़ने और मंदिरों को ध्वस्त करने में ही सुख माने। मुस्लिम आक्रमण के साथ मंदिरों और मूर्तियों पर विपत्ति आई। हिंदुओं का हृदय फट गया।''मंदिरों और मूर्तियों पर हमले का लंबा इतिहास है। भारत में लाखों मंदिर ध्वस्त किए गए थे। लेकिन बात यहीं आकर समाप्त नहीं हुई। वे हिंदू समाज को समाप्त करने के मकसद से किसी भी तरह की लड़ाई पर आमादा रहे हैं। हिंदू और मुसलमान के बीच की दूरी पाट कर एक सहअस्तित्वपूर्ण समाज बनाने के अनेक उपाय किए गए। महात्मा गांधी ने हिंदू मुस्लिम एकता का व्रत लिया था। अंत में उन्होंने लिखा कि, ''हिंदू मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं हार गया।'' दिनकर के अनुसार इस्लाम केवल नया मत नहीं था। यह हिंदुत्व का ठीक विरोधी मत था। हिंदुत्व की शिक्षा थी कि किसी भी धर्म का अनादर मत करो। मुसलमान मानते थे कि जो धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास करता है उसे नस्तेनाबूत कर देना चाहिए।''प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है और अपने अंतःकरण के अनुसार मत, मजहब, रिलीजन को मानने का भी। बांग्लादेश के मामले में विचार या आस्था का कोई प्रश्न नहीं है। बच्चों और महिलाओं के अंग भंग करना, जान से मार देना सारी दुनिया को अनुचित और बर्बर लगा है। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया निराशाजनक है। हिंदुओं के विरुद्ध जारी हिंसा का सम्बंध रक्तपात करने में विश्वास करने वाली मानसिकता से है। हिंदू मारे जा रहे हैं और हम कुछ नहीं कर सकते। ऐसी विवशता और लाचारी हृदयविदारक है।

परियोजनाओं के निर्माण कार्यो में गुणवत्ता का रखें ध्यान

परियोजनाओं का कार्य पूर्ण होने पर यथाशीघ्र सम्बन्धित विभाग को हैण्डओवर करायें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सभागार में रूपये 50 लाख से अधिक लागत के कार्यो/परियोजनाओं की समीक्षा की गयी। बैठक में उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद के द्वारा कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें आईटीआई जरियारी का कार्य पूर्ण होने पर उसे हैण्डओवर करने का निर्देश दिया गया। आवासीय एवं अनावसीय भवनों लीलापुर, दिलीपपुर, देल्हूपुर के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पायी गयी। आईटीआई पट्टी, पुलिस चौकी, थानों में बैरक एवं विवेचना कक्ष के निर्माण आदि की समीक्षा की गयी एवं निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्यो की प्रगति में तेजी लायी जाये। जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें पाया गया कि पाइप्ड पेयजल योजना के कार्यो की प्रगति धीमी है जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये सहायक अभियन्ता सुग्रीव सिंह को निर्देशित किया कि कार्यो की प्रगति में सुधार लायें, लापरवाही कदापि न बरती जाये। सेतु निर्माण विभाग के कार्यो की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सेतुओं के निर्माण कार्य की गुणवत्ता का समय-समय पर निरीक्षण करते रहे एवं निर्धारित समय के अन्दर सभी सेतु निगम की परियोजनाओं को पूर्ण कराया जाये।

इसी प्रकार जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल, यूपीआरएनएसएस, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, सीएनडीएस आदि के निर्माण कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा की। जिलाधिकारी ने जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देशित किया कि 5 करोड़ के ऊपर की परियोजनाओं के निर्माण कार्यो की नोडल अधिकारी नामित कर जांच करायी जाये। समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई परियोजनाओं का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और पैसा मिलने

के बावजूद भी विद्युत विभाग द्वारा विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण न होने से परियोजनायें हैण्डओवर नही हो पा रही है जिस पर जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता पर नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देशित किया कि सभी पूर्ण परियोजनाओं पर दिसम्बर माह में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया जाये। समीक्षा में पाया गया कि सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान जो पोल बीच सड़क पर है अभी तक उनको शिफ्ट नही किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द पोल शिफटिंग का कार्य पूर्ण करा लिया जाये, यदि कोई दुर्घटना घटित होती है तो उसकी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि परियोजनाओं के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये, ठेकेदारों के कार्यो की नियमित मानीटरिंग की जाये, निर्माणपरक कार्यो में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाये, यदि किसी भी स्तर पर गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पायी जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित कर उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यो को लम्बित कदापि न रखा जाये, सभी परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत मानक के अनुरूप गुणवत्ता सहित पूर्ण किया जाये। उन्होने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं का कार्य पूर्ण हो जाये उसे यथाशीघ्र सम्बन्धित विभाग को हैण्डओवर किया जाये इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी सहित सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रोजेक्ट मैनेजर/प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आचार्य–अभिभावक संगोष्ठी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुल्तानपुर। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानन्द नगर में आचार्य अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर कक्षाओं के भैया बहनों के अभिभावकों की अलग-अलग दो सत्रों में संगोष्ठी आयोजित की गई। आगन्तुक अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं वन्दना के पश्चात् विद्यालय की वरिष्ठ आचार्या रंजना पाण्डेय ने आचार्य अभिभावक संगोष्ठी की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए आमंत्रित अतिथियों का परिचय कराया।

छात्रों एवं उनके माता-पिता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्या भारती अखिल भारतीय विद्या भारती शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित हमारे विद्यालय में हम एक तरफ भैया बहनों की संस्कार युक्त शिक्षा पर बल देते है, तो वहीं उनके सर्वांगीण विकास पर पूर्व निर्धारित योजना बनाकर वर्ष भर कार्य करते रहते हैं। हमारा उद्देश्य एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना है। इस गोष्ठी के माध्यम से आप के द्वारा अपने पाल्य के सम्बन्ध जो भी सुझाव दिए जाएंगे। वह हमारे लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि भैया बहनों के सर्वांगीण विकास हेतु हम सतत् प्रयत्नशील हैं। जिसका परिणाम यह है कि हमारे भैया बहनें शैक्षणिक कार्यों में उल्लेखनीय प्रदर्शन तो कर ही रहे हैं, साथ ही खो-खो, कबड्डी आदि में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में कई वर्षों से लगातार अपना दबदबा कायम कर नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। हमारे आचार्य बन्धुध्मगिनी ने अपने छात्रों की सर्वविध उन्नति हेतु अपना एक लक्ष्य निर्धारित कर लिया है। वे उस पर पूर्ण मनोयोग से कार्य कर रहे हैं। किन्तु आपके सहयोग के बिना उस लक्ष्य की पूर्णता संभव नहीं है।

इसीलिए हम आपको अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिए समय समय पर आमंत्रित करते रहे हैं। तथा आपके उन अमूल्य सुझावों को अक्षरशः लागू करने का सम्पूर्ण प्रयास भी किए हैं। हमें अपने छात्रों की अच्छाइयों तथा न्यूनताओं का भी ज्ञान होना चाहिये। हमें अपने एक एक छात्र के व्यक्तित्व के विकास की चिन्ता करनी है। जो आप सभी के सहयोग से ही संभव है। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों के द्वारा कई महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सुझाव दिए गए।

ट्रेलर की टक्कर से कार सवार दंपती जख्मी

सिराथू, कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के अंदावा गांव के नजदीक नेशनल हाईवे पर ट्रेलर की टक्कर से कार सवार दंपत्ति जख्मी हो गए । हरियाणा के फरीदाबाद निवासी मंटू कुमार 30 वर्ष अपनी पत्नी गीतिका 28 वर्ष को साथ में लेकर कार से फरीदाबाद से बिहार के गया जा रहे थे। शनिवार को दोपहर एक बजे 9 जैसे ही उनकी कार कोखराज के अंदावा के पास पहुंची तभी ओवरटेक के चक्कर में सैनी से प्रयागराज की तरफ जा रहे ट्रेलर ने कार में साइड से टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे साइड में लगे सेफ्टी तार से टकरा गई। टक्कर लगने से दोनों पति पत्नी को मामूली चोट आ गई। जिन्होंने अपना उपचार कराते हुए आगे के लिए रवाना हो गए उधर ट्रेलर टक्कर मारने के बाद फरार हो गया।

संक्षेप

अधिवेशन हेतु भूमि पूजन हुआ

सुलतानपुर।(आरएनएस) अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त के अधिवेशन के निमित्त भूमि पूजन का कार्यक्रम कमला नेहरू ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट

में सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम अभाविप के विभाग प्रमुख डॉ संतोष सिंह अंश ने मुख्य यजमान के रूप में सम्पन्न किया। भूमि पूजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ आर ए वर्मा, पूर्व कार्यकर्ता हिमांशु मालवीय, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शुभेन्द्रवीर सिंह, शिवम दुबे शामिल हुए। अभाविप का प्रान्त अधिवेशन 26,27,एवं 28 दिसंबर को होना है, इस अधिवेशन में संगठन के दृष्टिकोण से बीस जिले के 1500 कार्यकर्ता,अध्यापक और पूर्णकालिक कार्यकर्ता सम्मिलित होंगें। अधिवेशन में कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण 25 दिसंबर से होगा। अधिवेशन का उदघाट्न 26 दिसंबर को 11 बजे दिन में होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप सेआदर्श, आशीष सेठ, उत्कर्ष, सत्यम त्रिपाठी, रितिक, सौम्य, राज, सुमित, दिनकर आदि उपस्थित हुए।

जंगल में किशोर के साथ किया अप्राकृतिक दुष्कर्म, गिरफ्तार

कुड़वारध्सुल्तानपुर(आरएनएस)। गांव के बाहर सुअर चरा रहे किशोर को

बहला फुसलाकर बगल के गांव निवासी ने अप्राकृतिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे डाला। घटना की जानकारी होने पर किशोर के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।पुलिस ने आरोपी को गिरफतार कर लिया।स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 11 वर्षीय किशोर गांव के बाहर सुअर चराने गया था। तभी बगल के गांव सरैया पूरे बिसेन निवासी राज बहादुर पुत्र राम आसरे ने किशोर को बहला फुसलाकर जंगल में ले जाकर अप्राकृतिक दुष्कर्म कर डाला। घटना की जानकारी होने पर किशोर के बड़े भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को बहमरपुर नहर की पुलिया के पास से गिरफतार कर लिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ दीवान रामकुमार यादव, आरक्षी राहुल यादव व अभिषेक कुमार पासवान शामिल रहे।प्रभारी निरीक्षक चंद्र भान वर्मा ने बताया कि गिरफतार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मनाया गया साइबर सेफ्टी जागरूकता सप्ताह

सुल्तानपुर!(आरएनएस) जनपद के कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (फार्मेसी संकाय) में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गए ष्साइबर सेफ्टी एवं सिक्योरिटी जागरूकता सप्ताह अभियानष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसको १६-२५ दिसंबर २०२४ तक एक सप्ताह इस कार्यक्रम को संस्थान में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमे संस्थान में कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी संकाय के निदेशक प्रो. डॉ महेश प्रसाद एवं मुख्य अतिथि राजेश साहू के द्वारा किया गया उसके साथ ही उन्होंने सभी को समाज में हो रहे साइबर क्राइम के प्रति जागरूक रहने को बताया साथ में हो रहे साइबर अटैक जिससे लोगों के पर्सनल डाटा, पैसे की हेरा फेरी, ब्लैकमेलिंग कैसे स्कैम के प्रति सभी को जागरूक होने को बताया। मुख्य अतिथि राजेश साहू ने सभी को साइबर अपराधियो कि पहचान और सेफ्टी के लिए क्या कदम उठाने की जरूरत की चीज को प्रेजेन्टेशन के द्वारा सभी को जागरूक किया । साथ में संस्थान स्तर पर छात्रध् छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक द्वारा जागरूकता अभियान किया गया ।

कार्यक्रम के अंत दिन में सभी शिक्षक, छात्रध् छात्रों को क्विज कार्यक्रम मे शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन में संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) महेश प्रसाद ने सभी छात्र एवं छात्राओं को इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम को समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया जिससे कि लोग इस अपराध से बच सके और डिजिटल सुविधाओं का सदुपयोग सुनिश्चित हो सके।

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व गंभीरता से निपटाएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

➤ जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

राम वनगमन मार्ग के लिए जल्द कराएं अधिग्रहण

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मार्ग 731ए राम वनगमन मार्ग पैकेज-5 के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रगति, 800 मेगा वाट क्षमता के अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क के लिए अधि

➤ प्रगति समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

ाग्रहण भूमि के सापेक्ष लंबित वादों के निस्तारण एवं यूपीसीडा के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण से संबंधित समीक्षा बैठक कैंप कार्यालय सभागार में संपन्न हुई।

राम वनगमन मार्ग में जनपद के 34 ग्राम पंचायत आच्छादित है जो जनपद के लिए विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा। डीएम ने भूमि अधिग्रहण की प्रगति की जानकारी ली। लेखपालों को निर्देश दिए कि जिन गांवों में किसानों के द्वारा अंश निर्धारण अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है वह तत्काल अंश निधर्ारण कर जमा करें। उन्होंने संबंधित उप जिला अधिकारी व तहसीलदार को निर्देशित किया कि इसमें लेखपालों को लगाकर जल्द अधिग्रहण कराएं। कहा कि किसानों को समय से भुगतान भी करते रहें। किसी प्रकार की किसानों को समस्या नहीं आनी चाहिए। एसडीएम राजापुर व मानिकपुर को निर्देशित किया कि अन्य जनपदों की राम वनगमन मार्ग की प्रगति अच्छी है। यहां भी प्रगति कराए।

डीएम ने 800 मेगावाट क्षमता के अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क की प्रगति की समीक्षा की। जिस पर टूस्को द्वारा बताया गया कि 34 सौ एकड़ के सापेक्ष अब तक 3234 एकड प्राप्त हो गई है। डीएम ने निर्देशित किया कि जमीन का अधिग्रहण लीज पर करते रहें एवं अवशेष जमीनों को भी जल्द पूर्ण करें। जिस जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है उसको तारों से बाउंड्री भी बनाएं। जिससे सुरक्षा बनी रहे। बैठक में एडीएम उमेश चन्द्र निगम, सदर एसडीएम पूजा शाहू, मानिकपुर एसडीएम पंकज वर्मा, मऊ एसडीएम सौरभ यादव, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी एमएल वर्द्धन, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड संतोष कुमार सिंह, टूस्को से डीजीएम जेएन सिंह, एई एनएच पीडब्ल्यूडी प्रयागराज नितिन कुमार, तहसीलदार कर्वी वाचस्पति सिंह सहित संबंधित अधिकारी, लेखपाल व कानूनगो मौजूद रहे।

चिंता: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बल्दीराय में बेडो पर नही रहती चादर

सुलतानपुर(आरएनएस)। सरकार स्वास्थ्य महकमें को भले ही मरीजो की सुविधाओ के लिए लाखो की बजट की स्वीकृत करती है लेकिन केन्द्रो पर सुविधाएं धरातल पर मरीजो को मुहैया नही मिल पा रही है।

बता दे कि बल्दीराय तहसील मुख्यालय पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के वार्डो में बेडो पर चादरे नही बिछाई जाती यहां भर्ती मरीजो को फाम के गददे पर लिटाकर इलाज किया जा रहा है। इस ठन्ड में भी मरीज उक्त गददे पर लेटकर ठिठुर कर इलाज करवाने के लिए मजबूर है। प्रभारी चिकित्साधिकारी रमेश यादव की गैर जिम्मेदाराना रवैया से सरकारी सुविधाओ का लाभ मरीजो तक नही पहुंच रहा है। सोमवार को हमारे संवाददाता सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बल्दीराय पहुंचा और कुछ तस्वीरे कैमरे में कैद की केन्द्र पर नीचे बने एक छोटे से कमरे में पडे दो बेडो पर बिना चादर बिछाए फाम के गददो पर मरीजो का इलाज किया जा रहा था वही केन्द्र के ऊपर तल पर आधा दर्जन बेड खाली पडे है किन्तु नीचे खाली कुर्सी पर एक बृद्ध महिला का लिटाकर इलाज किया जा रहा है।

प्रभारी चिकित्साधिकारी के रवैये से मरीज है परेशान-विभाग द्वारा बेडो पर बिछाने के लिए प्रतिवर्ष चादर केन्द्र को मुहैया कराया जाता है लेकिन प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की गैर जिम्मेदाराना रवैया के चलते वार्डो में बेडो पर चादर नही बिछाई जाती आखिर विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई चादरे कहा गायब हो गई।

पीने के पानी के लिए तरस रहे है मरीज-स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीजो के लिए पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है प्रतीक्षालय के सामने एक सरकारी हैन्ड पम्प लगा था लेकिन वह विगत आठ माह से खराब है केन्द्र पर आये मरीजो के तीमारदारो को पानी की किल्लत झेलनी पड़ रही है केन्द्र पर लगा आरओ खराब है।

कृषि क्षेत्र में चौधरी चरण सिंह का महत्वपूर्ण योगदान

जौनपुर (आरएनएस)। अपना दल (एस) ने चौधरी चरण सिंह की जयंती जिला कार्यालय मछलीशहर में मनाया। मुख्य अतिथि मड़ियाहूं विधायक डा.आर.के.पटेल रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लालबहादुर पटेल ने संचालन जमील शेख ने किया । विधायक .पटेल ने कहा की चौधरी चरण सिंह किसानों के मसीहा थे। वह भारत के किसान राजनेता एवं पाँचवें प्रधानमंत्री थे।उन्होंने यह पद 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक संभाला।

चौधरी चरण सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन भारतीयता और ग्रामीण परिवेश की मर्यादा में जिया। फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी।प्रधानमंत्री रहते हुए चरण सिंह ने ग्रामीण पुनरुत्थान मंत्रालय की स्थापना की!चौधरी चरण सिंह जी के तीन कानूनों की बात करें तो पहला है उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार कानून (जेडएएलआर) 1950 जिसके जरिये जमींदारों से जमीन लेकर उसका मालिकाना हक उस पर खेती करने वाले बटाईदार किसानों को दिया गया!जिलाध्यक्ष लालबहादुर पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय किसान दिवस हर साल 23 दिसंबर को मनाया जाता है,यह दिन किसानों की भूमिका को सम्मानित करने के लिए समर्पित है, यह दिन खासतौर पर भारतीय किसान नेता चौधरी चरण सिंह की जयंती के रूप में मनाया जाता है, चौधरी चरण सिंह का कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था!चन्द्रशेखर पटेल,सार्जन पटेल,कन्हैया पटेल,अशोक पटेल,रंजीत,सुनील पटेल कार्यालय प्रभारी,त्रिभुवन पटेल,शुभम सिंह,राकेश पटेल, दीपक पटेल आदि उपस्थित होकर श्रद्धांजलि दिये।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित

कुशीनगर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में दिन बुधवार को नवम्बर माह का किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में खाद बीज की उपलब्धता सहित किसानो की समस्याओं पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को खाद, बीज एवं रसायनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नियमित क्षेत्र भ्रमण हेतु निर्देशित किया। खाद के संबंध में उन्होंने किसी भी प्रकार की अनुचित भंडारण की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उन्होने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि सभी किसान बंधु सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें अन्यथा प्रशासन को विधिक कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार द्वारा पिछले माह प्राप्त शिकायतों पर विभागों से प्राप्त निस्तारण आख्या से कृषक जनों को अवगत कराया गया। उनके द्वारा किसानों से फैमिली आई0 डी0 हेतु आवेदन करनें एवं किसान सम्मान निधि निर्बाध रूप से प्राप्त करने के लिए अपना फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने का अनुरोध किया गया। बैठक के दौरान किसानों की शिकायत को जिलाधिकारी ने सुनते हुए संबंधित विभागों को निस्तारण हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को नहरों में पानी आने के पूर्व सिल्ट सफाई का कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया एवं सिल्ट सफाई में किसान दिवस, तहसील दिवस एवं आई0जी0आर0एस0 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों से संबंधित रजवाहों एवं टेलों तक पानी पहुंचाना प्राथमिकता पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद में खाद एवं बीजों की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होने के तथ्य से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी श्रीमती कल्पना मिश्रा, उप कृषि निदेशक, आशीष कुमार, जिला कृषि अधिकारी, डा0 मेनका, जिला उद्यान अधिकारी, क्षेत्रीय प्रबन्धक इफको, सहायक अभियन्ता जल निगम ग्रामीण, अधिशाषी अभियंता विद्युत, अधिषासी अभियंता सिंचाई समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान समृद्ध तो देश खुशहालः समाजवादी पार्टी

जौनपुर (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में सांसद कार्यालय नईगंज में दिन में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती किसान दिवस के रूप में मनाई गई। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि भारत के पांचवें प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह का कार्यकाल केवल सात महीने का रहा। लेकिन इस दौरान उन्होंने कृषि क्षेत्र में सुधारों के लिए कई पहलें की। उन्होंने ग्रामीण ऋण माफी योजना को प्राथमिकता दी और छोटे किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं शुरू की। उनका आर्थिक दृष्टिकोण मुख्य रूप से गांवों और किसानों पर केंद्रित था। चौधरी चरण सिंह जी कहते थे कि किसानों की समृद्धि से ही देश खुशहाल होगा। आज देश एवं प्रदेश की सरकारें किसानों की समस्याओं से मुंह मोड़कर उनके आंदोलनों को उनकी आवाज को कुचल देना चाहती है। सात सौ किसानों की शहादत के बाद भी सरकार किसानों से बात करना भी नहीं चाहती, आने वाले दिनों में इस देश का किसान, किसान विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकेगा। गोष्ठी को पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद, प्रदेश सचिव सुशील दुबे, विवेक रंजन यादव, लालचंद यादव लाले, जिला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, इरशाद मंसूरी, अनवारूल गुड्डू, नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, हरिश्चंद्र प्रभाकर ने संबोधित किया। गुलाब यादव, अशोक यादव, लकी त्रिपाठी, राहुल त्रिपाठी, दिलीप प्रजापति, अशोक नायक, आनंद गुप्ता धर्मेंद्र सोनकर, अरविंद यादव, शुभम यादव, अजय श्रीवास्तव, अरविंद सोनकर, उमेशचंद यादव, प्रवेश यादव, सोनी यादव, रंजीत गौतम, दयाराम यादव आनंद कुशवाहा, प्रवीण मौर्य आदि रहे। संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

मेधावी दिव्यांगों के सपनों को उड़ान देगी छात्रवृत्ति, 12 राज्यों और देश के 75 जिलों से आए थे विद्यार्थी

प्रयागराज। 'कौन है जिसके पास कुछ कमी नहीं, आसमां के पास भी तो जमीं नहीं...' दिव्यांगता को हराते हुए अपनी मेधा से मुकाम हासिल करने वाले ऐसे ही मेधावियों को श्री डोरीलाल अग्रवाल राष्ट्रीय मेधावी दिव्यांग छात्रवृत्ति प्रदान की गई। सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के जेपी सभागार में अमर उजाला फाउंडेशन, दिव्यांग सेवा चौरिटेबल ट्रस्ट और विकलांग सहायता संस्था की ओर से 12 राज्यों के 93 मेधावियों को 17.16 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित, प्रदेश सरकार की दिव्यांगजन विभाग की ब्रांड एंबेसडर हिमानी बुंदेला ने दिव्यांगों में जोश भरा। उन्होंने कहा कि सात साल पहले मैं भी दर्शक दीर्घा में बैठी थी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी और आज आपके बीच मुख्य अतिथि के रूप में हूं। उन्होंने लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। संस्था सचिव अनिल अग्रवाल ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम संयोजक सुनील विकल ने छात्रवृत्ति की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एफमेक अध्यक्ष और उद्यमी पूरन डावर ने की। उन्होंने युवाओं को उद्यमशील बनने के लिए कहा, जिससे वो समाज के लिए कुछ कर सकें। ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने ट्रस्ट के सफर और छात्रवृत्ति प्राप्त कर चुके सफल छात्रों की कहानी से दिव्यांगों में प्रेरणा भरी। समारोह में शैलेंद्र नरवार निर्देशित संस्था की डाक्यूमेंट्री का विमोचन और प्रदर्शन भी किया गया। अंत में छात्रवृत्ति में शीर्ष स्थान पर रहने वाले 15 दिव्यांगों को मंच से उतरकर अतिथियों ने छात्रवृत्ति दी। कार्यक्रम में दिव्यांग सेवा चौरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक रामशरन मित्तल, अध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश, सचिव प्रेम शंकर अग्रवाल, उद्यमी डॉ. रंजना बंसल, मुरारी लाल गोयल पेंट उपस्थित रहे। अंत में उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद किया। संचालन डॉ. मुनीश्वर गुप्ता और रीनेश मित्तल ने किया। जेएस फौजदार, राजकुमार जैन, अतुल गुप्ता, डॉ. विनोद माहेश्वरी, डॉ. अरुण चतुर्वेदी, जितेंद्र फौजदार, डॉ. रुचि चतुर्वेदी, रेणुका डंग, डॉ. वीके आहूजा, मुनेंद्र जादौन, दिवाकर तिवारी, निर्मला दीक्षित, राकेश शुक्ला, मनीष अग्रवाल, नंद किशोर गोयल, प्रतिभा जिंदल, श्रुति सिन्हा, बबिता पाठक, वत्सला प्रभाकर, रितु गोयल आदि मौजूद थीं।

प्रशासन की मिलीभगत से चलते हैं ओवर लोड ट्रक

गंगापार। यमुनापार के प्रयागराज रीवा हाईवे पर देर रात अवैध ओवर लोड वाहनों की संख्या भले इन दिनों पहले से बहुत कम हो गई हो लेकिन इस कार्य में सहयोग देने वाले खनन कर्मियों और परिवहन कर्मियों की कमाई जस की तस ही है। होता यह है कि गाड़ी कम होने पर लेन देन का भाव भाव जाता है जिससे ट्रक संचालकों को नुकसान तो होता है लेकिन लिप्त कर्मियों की कमाई पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता। जानकारी कुछ इस तरह की मिली है कि परिवहन विभाग प्रति ट्रक पांच से दस हजार रुपए की दर से ओवर लोड वाहनों को चलने के लिए इंट्री देता है, इसी तरह खनन विभाग भी अपनी हिस्सेदारी लेकर ओवर लोड वाहनों को निकलने की परमिट दे देता है। अब जो ट्रक इन दोनों विभागों को उनकी किश्त दे देते हैं उनके ट्रकों के नंबर की लिस्ट वाहन जांच करने के लिए निकलने वाली टीम के पास रहता है। यदि संयोग से किसी भी ट्रक का नंबर उस लिस्ट में नहीं मिला तो उसकी खैर नहीं होती। पहले तो उस वाहन को रोककर उसके संचालक से लेन देन की बात होती है ,बात बन गई तो ठीक वरना उसे सीज कर दिया जाता।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा (आवेदन) नोटिस सं: सीएम-1/एटीवीएम/फैसीलिटेटर/महाकुम्भ मेला/पार्ट-II/प्रयागराज/2025
दिनांक: 24.12.2024
चतुर्थ शुद्धि पत्र
कार्य का विवरणः- प्रयागराज जं. (संगम एरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज-छिवकी स्टेशनों पर महाकुम्भ मेला 2025 हेतु लगायी जाने वाली अतिरिक्त ATVM के संचालन हेतु Facilitator की नियुक्ति के संबंध में।
पूर्व प्रकाशित
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा खोलने की संशोधित तिथि
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 31.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समयः समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 31.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म खुलने की तिथि एवं समयः दिनांक 31.12.2024 को 15.00 बजे।
महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.
1800 4199 139
1827/24(A)
North central railways | @CPRONCR

क्रिसमसः एकता, प्रेम और सेवा का त्योहार

फादर इसिडोर डिसोज़ा
प्रषासक, नाजरेथ अस्पताल

क्रिसमस, जो ईसा मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है। यह प्यार, शांति और एकता का प्रतीक है, जिसे सभी धर्मों के लोग जाति, धर्म और संस्कृति की सीमाओं को भूलकर एक–दूसरे के साथ खुशी और सौहार्द बाँटते हैं। ईसाई समुदाय के लिए यह ईष्वर के अवतार का पर्व है, लेकिन हिंदू, मुस्लिम, सिख और अन्य धर्मों के लोग भी इसे मानवता और बंधुत्व के त्योहार के रूप में अपनाते हैं। जिस प्रकार हिन्दुओं के पर्व दिवाली के अवसर पर दीप जलाकर अन्य धर्मावलंबी भी अपना उत्साह दिखाते हैं उसी प्रकार मसीही त्योहार क्रिसमस के अवसर पर क्रिसमस ट्री व स्टार लगाकर अपनी खुषी का इज़हार करते हैं। क्रिसमस का अर्थ केवल यीशु मसीह का जन्मदिन मनाना नहीं है, बल्कि यह हमें दया, सेवा और एकता का संदेश देता है। यह पर्व याद दिलाता है कि प्यार और परोपकार ही इंसानियत की असली पहचान है। महात्मा गांधी ने भी कहा था, 'मानवता की सच्ची सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है।' क्रिसमस हमें इसी सेवा भावना को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। भारत जैसे विविध संस्कृति वाले देश में, क्रिसमस केवल ईसाई धर्म तक सीमित नहीं है। हिंदू, मुस्लिम, सिख और अन्य धर्मों के लोग भी इस पर्व को समान उत्साह से मनाते हैं। चर्चों में मोमबत्तियाँ जलाना, केक काटना, गरीबों को भोजन कराना और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना इस पर्व को सार्वभौमिक बनाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार कहा था, 'त्योहार हमारी विविधता में एकता का प्रतीक हैं।' यह क्रिसमस पर भी बिल्कुल सही बैठता है। यह पर्व हमें बताता है कि सभी धर्म प्रेम और मानवता का संदेश देते हैं। हाल के वर्षों में क्रिसमस का मूल उद्देश्य कहीं खोता जा रहा है। महंगे उपहार, ब्रांडेड सजावट और शॉपिंग मॉल की चमक–दमक ने इसे व्यावसायिक बना दिया है। लोग अब प्यार और सेवा की बजाय भौतिक चीजों को अधिक महत्व देने लगे हैं। मदर टेरेसा ने कहा था, 'हम दुनिया में बड़े काम नहीं कर सकते, लेकिन छोटे काम बड़े प्यार से कर सकते हैं।' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि क्रिसमस केवल दिखावे का पर्व नहीं, बल्कि सादगी और सेवा का त्योहार है। भारत में सांप्रदायिक तनाव और नफरत के बीच क्रिसमस जैसे त्योहार भी प्रभावित हो रहे हैं। चर्चों पर हमले, कैरोल गाने वालों को धमकियाँ और नफरत भरे बयान इस त्योहार की पवित्रता को चोट पहुँचाते हैं। राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक भाषण में कहा था, 'त्योहार हमें जोड़ने का काम करते हैं, तोड़ने का नहीं।' यह समय है कि हम इस संदेश को आत्मसात करें और सांप्रदायिकता को खारिज करें। क्रिसमस को सही अर्थों में मनाने का मतलब है जरूरतमंदों की मदद करना, अनाथ बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उन लोगों को साथ लेकर चलना जो हाशिए पर हैं। ईसा मसीह का जीवन हमें सिखाता है कि सादगी, सेवा और प्रेम ही सच्चे मूल्य हैं। एक उदाहरण के रूप में, पिछले साल केरल के एक चर्च ने क्रिसमस पर महंगे कार्यक्रमों की जगह गरीबों के लिए मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किया। यह सच्चे क्रिसमस उत्सव का उदाहरण है। इस क्रिसमस के अवसर पर, आइए हम यह प्रण लें कि इसे सादगी और सेवा के साथ मनाएँगे। हम जरूरतमंदों की मदद करेंगे, सांप्रदायिकता को नकारेंगे और प्रेम, शांति और मानवता का संदेश फैलाएँगे। ईसा मसीह ने कहा था, 'जो सबसे छोटों के लिए करते हो, वह मेरे लिए करते हो।' आइए, इस संदेश को अपने जीवन में उतारें और क्रिसमस को मानवता का त्योहार बनाएँ। सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएँ। आइए इसे सच्चे अर्थों में मनाएँ और इसे शांति, प्रेम और सेवा का पर्व बनाएँ।

शक्तिपीठों के आधार पर अखाड़ों में नागा संन्यासियों की मढ़ियां, हर मढ़ी के होते हैं श्रीमहंत

प्रयागराज। सनातन संस्कृति का सुंदर–सलोना स्वरूप देखना हो तो नागा संन्यासियों की दुनिया देखिए। बाहर से इनका दिगंबर वेश जहां लोगों को असहज करता है तो भीतर से इनकी मढिध्यां शक्ति केंद्रों के रूप में काम करती हैं। दशनामी परंपरा के नागा संन्यासियों के अखाड़ों में अलग–अलग मढिध्यों की स्थापना की गई हैं। इन मढिध्यों के मायने भी सनातन परंपरा में ऊंचे मानकों पर स्थापित हैं। हर मढ़ी के श्रीमहंत होते हैं। दूधेश्वर नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर जूना अखाड़े के प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि बताते हैं आदि शंकराचार्य के सनातन धर्म के संदेशों को प्रचारित करने के लिए प्राचीन काल में मठों के रूप में केंद्र स्थापित किए गए थे। उन केंद्रों को मठिका कहा जाता था। बाद में मठिका का यही रूप परिवर्तित होकर मढ़ी के रूप में प्रचलित हो गया। आवाहन अखाड़े के पूर्व सचिव श्रीमहंत समुद्र गिरि के अनुसार अखाड़ों की मढ़ियां ही आंतरिक ढांचे में शक्ति केंद्र के रूप में मानी जाती हैं। इन मढिध्यों की स्थापना देश भर में 51 देवी शक्तिपीठों के रूप में की गई है। इन मढ़ियों को देवी की मढ़ी भी कहा जाता रहा है। महंत समुद्र गिरि बताते हैं कि कई देवी मंदिरों को भी मढ़ी के रूप में जाना जाता है। दशनामी परंपरा के नागा संन्यासियों में पर्वत, सागर, वन, भारती, पुरी, गिरि, सरस्वतियों के अलावा सभी संन्यासियों की कोई न कोई मढ़ी जरूर होती है। मान्यता है कि भगवान शिव माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर रहते थे। आदि शक्ति माता पार्वती की उपस्थिति मानकर पद्म संभव संन्यासियों ने तिब्बत में एक केंद्र स्थापित किया। इसे लामा मढ़ी के नाम से जाना जाता है। इस तरह नागा संन्यासियों की 52 मढिध्यों में 27 मढिध्यां गिरि पद धारियों की, 17 मढिध्यां पुरी पद धारण करने वाले नागाओं की और चार–चार मढिध्यां भारती, वन पद धारियों की और एक मढ़ी लामाओं की ओर से स्थापित की गई है। तीर्थों, आश्रमों, अरण्यों की भी मढिध्यां शक्ति केंद्रों के रूप में काम कर रही हैं। आचार्य परंपरा आदि गुरु शंकराचार्य की देन मानी जाती है। तीर्थ और आश्रम हों या गिरि, पुरी, अरण्य, वन, सरस्वती, भारती संन्यासियों का यह नामकरण शंकराचार्य की आतार्य परंपरा से आरंभ हुआ है।

सीएम योगी की फ्लीट के रूट पर स्टंट, बेकाबू रफ्तार से दौड़ाई कारें, चार हिरासत में, दो गाड़ियां सीज

प्रयागराज। सीएम योगी की फ्लीट आने से ठीक पहले वीआईपी रूट पर आठ कारों से आए दो दर्जन युवकों ने हंगामा मचा दिया। छतों व दरवाजों पर लटककर हूटर बजाते हुए बेकाबू रफ्तार से कारें दौड़ाईं, जिससे अफरातफरी मच गई। पुलिस ने खदेड़ा तो अन्य भाग निकले जबकि दो कार पर सवार चार युवक पकड़ लिए गए। दोनों कारें सीज कर पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी रही। घटना दोपहर 3रू30 बजे के करीब हुई। सीएम योगी आदित्यनाथ को सिविल लाइंस में सरोजिनी नायडू मार्ग पर बनाए गए वीआईपी रूट से होकर विकास कार्यों के निरीक्षण के लिए सूबेदारगंज जाना था। इसके लिए एजी ऑफिस चौराहे से पत्थर गिरिजाघर तक जगह–जगह पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। सिविल लाइंस थाने की फोर्स के साथ एसीपी सिविल लाइंस श्यामजीत प्रमिला सिंह भी लगातार रूट क्लीयर कराने व सुरक्षा के लिए गश्त कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आठ कारों का एक काफिला बहुत तेजी से एजी ऑफिस चौराहे की ओर से आया। इसमें से कुछ कारों पर हूटर भी लगे थे। हूटर बजाते हुए कारें आईं तो लोगों को लगा कि सीएम की फ्लीट आ गई है। हालांकि, जब बेकाबू रफ्तार में दौड़ रही इन कारों की छतों व दरवाजों पर लटककर स्टंट करते युवक दिखे तो लोग दंग रह गए। स्टंटबाजों के काफिले के प्रधान डाकघर के पास पहुंचते ही यहां गश्त कर रहे सिविल लाइंस इंस्पेक्टर रामाश्रय यादव की नजर पड़ी तो उन्होंने इन्हें रोकना चाहा। इस पर युवक कारें मोड़कर भागने लगे।

इंस्पेक्टर ने मयटीम पीछा किया तो दो कारों पर सवार चार युवकों को पकड़ लिया गया। जबकि उनके अन्य साथी भाग निकले। इसके बाद कार समेत चारों युवकों को थाने लाया गया। जहां दोनों कारें सीज कर दी गईं। पकड़े गए युवक सिविल लाइंस स्थित एक नामी कॉलेज के छात्र बताए जा रहे हैं। उधर, थाने पहुंचे एक युवक के परिजनों ने पुलिस से बताया कि वह कोचिंग जाने की बात कहकर घर से निकला था। चार युवकों को हिरासत में लिया गया है। उनके कब्जे से बरामद दो कारें भी सीज कर दी गई हैं। उनके परिजनों को बुलाया गया है।

हो सकता था बड़ा हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जिस तरह से तेज रफ्तार में कारें दौड़ाते हुए युवक स्टंट कर रहे थे।

एलटी ग्रेड व प्रवक्ता के चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती का विज्ञापन वर्ष 2018 व प्रवक्ता भर्ती का 2020 में जारी किया था। दोनों ही भर्ती परीक्षाओं की पहली मेरिट में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिलने के बाद रिक्त रह गईं सीटों को भरने के लिए आयोग ने द्वितीय अवशेष श्रेष्ठता सूची जारी की थी। इसमें चयनितों के अभिलेख सत्यापन के बाद आयोग ने 511 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की संस्तुति माध्यमिक शिक्षा विभाग को भेजी थी। आयोग ने डेढ़ साल पहले द्वितीय अवशेष श्रेष्ठता सूची जारी की थी। वहीं, सालभर पहले चयनितों की लिस्ट माध्यमिक शिक्षा विभाग को भेज दी थी। लेकिन, नियुक्ति की प्रक्रिया लंबे समय तक अटकी रही। बाद में शासन की ओर से निर्देश जारी किए जाने के बाद अब माध्यमिक शिक्षा विभाग ने नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए 27 दिसंबर तक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन के आधार पर अभ्यर्थियों को विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। चयनितों को हिंदी, जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, कला, संगीत, गणित, गृह विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, नागरिक शास्त्र, वाणिज्य, संस्कृत, इतिहास विषय में नियुक्ति मिलनी है। माध्यमिक शिक्षा के निदेशक डॉ.महेंद्र देव के अनुसार आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन नियुक्तिध्पदस्थापन प्रक्रिया में प्रतिभाग न करने की दशा में अभ्यर्थी को अन्य अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा और विभाग का निर्णय अंतिम होगा। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी। अभ्यर्थियों की सुविधा और किसी भी तरह की समस्या के निराकरण के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने ईमेल आईडी (onlineteachertransfer2024@gmail) व मोबाइल नंबर (9368636558) जारी किया है। मोबाइल नंबर पर किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 10 से शाम पांच बजे तक कॉल करके या व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है।

आरओ–एआरओ पेपर लीक मामले में दो अभ्यर्थी गिरफ्तार

उप्र लोक सेवा आयोग की आरओ–एआरओ भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण में सोमवार को दो अभ्यर्थी गिरफ्तार किए गए। दोनों ने पेपर लीक करने वाले गिरोह के सरगना व उसके करीबियों से 12–15 लाख में डील की थी। साथ ही भोपाल के होटल में जाकर प्रश्न व उत्तर रटने में भी शामिल थे। पकड़े गए युवकों में प्रयागराज के मेजा थाने के सिरसा के रमकियान निवासी अचल सेठ का बेटा धर्मेंद्र और आजमगढ़ के तहबरपुर थाने के बीबीपुर कदीम निवासी राजनाथ राम का बेटा रजनीश शामिल है। धर्मेंद्र को कानपुर नगर के बजरिया थाने के पी रोड स्थित हरसहाय जगदंबा इंटर कॉलेज के पास से रविवार शाम 04:45, जबकि रजनीश को एसटीएफ कार्यालय गोरखपुर से दोपहर 03:45 बजे हिरासत में लिया गया। एसटीएफ के मुताबिक दोनों ने पूछताछ में बताया कि वह पेपर लीक कराने वाले गैंग के संदीप पांडेय के संपर्क में थे। आठ फरवरी को वह प्रयागराज से ट्रेन के माध्यम से भोपाल पहुंचे। जहां से संदीप के बताने के अनुसार ही होटल कमल पैलेस, आनंद नगर गए। वहां संदीप ने उन्हें कमरा नंबर 202 में रुकवाया। होटल के रजिस्टर में एंट्री के समय उसने अपनी आईडी भी दी थी। वहां 07–08 अन्य लड़के भी थे। अगले दिन दोपहर को संदीप, गैंग के विशाल, सुभाष प्रकाश, विवेक उपाध्याय व तीन–चार अन्य लोगों के साथ प्रश्नपत्र लेकर वहां आए। इसमें सामान्य अध्ययन व हिंदी के प्रश्न थे। इन प्रश्नों को गूगल के माध्यम से हल करवाने के बाद सभी युवकों को प्रश्न–उत्तर रटवाए गए। शाम को सभी लोगों से प्रश्न–उत्तर वापस ले लिए गए और वापस जाकर परीक्षा देने को कहा गया। 11 फरवरी को परीक्षा में वही प्रश्न आए, जो रटवाए गए थे। दोनों अभियुक्तों ने बताया कि इसके लिए संदीप ने 12–15 लाख रुपये लिए थे। एसटीएफ ने बताया कि आरोपी संदीप को उसके साथियों सहित 23 जून को ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार किए गए दोनों अभ्यर्थियों को साजिश में शामिल होने का आरोपी बनाया गया है। उन्हें सोमवार को लेकर एसटीएफ सिविल लाइंस थाने पहुंची। प्रकरण से संबंधित मुकदमे में गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। एसटीएफ सीओ लाल प्रताप सिंह ने बताया कि उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एआई टेंडर के लिए तीन कंपनियों ने किया आवेदन

प्रयागराज। यूपी बोर्ड 2025 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 24 फरवरी 2025 से शुरू होकर 12 मार्च 2025 तक चलेंगी। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। पहली पाली में परीक्षा सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली पॉली दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगा।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062